अंक-323 कानपुर, सोमवार 25 जनवरी 2021 पृष्ठ-8

र से प्रकाशित दैनिक

# आज का कानपुर

पंजीयन संख्या :
-323/2018-20
RNI No :
N/2014/55306

# वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किसानो के लिए जारी की एडवाइजरी

आज का कानपुर

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० आई०एन० शुक्ला ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि संरक्षित, नियंत्रित दशा में सब्जी उत्पादन से तात्पर्य सब्जी फसलों को अधिक तापक्रम, कम तापक्रम, तेज वर्षा, ओलावृष्टि जैसे प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाना है, देश के भिन्न-भिन्न शीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्रों में नियंत्रित, संरक्षित अथवा पाली हाउस में सब्जी उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं यदि पाली हाउस में तापक्रम को नियंत्रित करने के लिए उपकरण लगा दिया जाए तो ऊंचे तापक्रम अथवा नीचे किसी भी दशा में सब्जी उत्पादन किया जा सकता है क्योंकि पाली हाउस अथवा ग्रीन हाउस में प्रति इकाई उत्पादन अधिक मिलने के साथ ही उच्च गुणवत्ता वाली होती हैं जिससे जिसे निर्यात करने की संभावनाएं बढ़ जाती है वर्तमान समय में संकर बीजों का अधिक प्रचलन तथा उनके अधिक महंगी होने के कारण सब्जी बीजों की नर्सरी तैयार करके उनका रोपण करके सब्जी उत्पादन करते हैं यह नर्सरी पौधे पालीहाउस अथवा खुले खेत में भी उगाया जा सकता है जिससे नियंत्रित दशा में पौध उत्पादन की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है इसे कृषकगढ़ अधिक से अधिक अपनाने का प्रयास करते हैं। पाली हाउस या ग्रीन हाउस में कार्बनिक खेती करके सब्जी उत्पादन आसानी से किया जा सकता है। जिससे ऑर्गेनिक सब्जी निर्यात की मांग को और भी बढ़ाया जा सकता है नियंत्रित दशा या पाली हाउस में सब्जी उत्पादन से लाभ, पूरे वर्ष भर अथवा लंबी अवधि तक सब्जी उत्पादन, प्रति इकाई क्षेत्र से कई गुना अधिक उत्पादन, पौध लगाने की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित होना, छोटे एवं कम क्षेत्र वाले किसानों के लिए उपयुक्त, कीट रोग तथा खरपतवार नियंत्रण का उत्तम प्रबंध, कार्बनिक खेती के लिए भी अधिक उपयोग, पौधों की बढ़वार के लिए अधिक उपयुक्त वातावरण, विषम परिस्थितियों में फसल, पौध का उत्पादन, जैव तकनीकी तथा उत्तक संवर्धन द्वारा तैयार पौधों को उपयुक्त वातावरण तैयार करना संरक्षित खेती अपनाने का कारण जिस तरह जलवायु परिवर्तन से देश की कृषि प्रभावित हो रही है, ऐसे समय में जरूरत है किस में नई तकनीक का इस्तेमाल करना जिससे फसल उत्पादन पर कोई असर ना पड़े और अच्छा उत्पादन मिलता रहे ऐसा सिर्फ संरक्षित, नियंत्रित खेती तकनीक से ही संभव है जो कि 58त्र से अधिक लोगों की निर्भरता मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। इस प्रकार कृषि रोजगार और जीविकोपार्जन का यह सबसे बड़ा स्रोत है कृषि वैज्ञानिकों ने पारंपरिक कृषि में विविधीकरण का व्यापक प्रयोग करके आधुनिक की कृषि में बदल दिया है हमारे देश के किसान अधिक लाभ अर्जित करने के लिए उचित मूल्य वाली सभी प्रकार की फसलें जैसे फल, फूल, सब्जी आदि की खेती को विविधता प्रदान करते हैं। ऐसी तकनीक का प्रयोग करके किसान महंगी फसलों का उत्पादन सफलतापूर्वक कर सकते हैं संरक्षित खेती के अंतर्गत आने वाली संरचनाएं प्लास्टिक टनल पॉलीहाउस यह छोटी संरचनाएं नर्सरी बनाने के लिए अथवा मौसमी सब्जियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में उगाने के लिए किया जाता है या संरचनाएं शुरुआत में बीज अंकुरण में मदद करती हैं शीतोष्ण क्षेत्रों में इनकी मदद से वर्षभर खेती संभव है या दो प्रकार के होते हैं प्लास्टिक लो टनल यह 1 से 3 माह तक वाली सब्जियों के लिए ऊपर बनाई जाती हैं। यह देखने में सुरंग की तरह लगती है, इसलिए इसे टनल कहते हैं। इस टनल रचना को बनाने में 2-3 मीटर लंबी व 60 से 75 सेंटीमीटर चौड़ी 0.6 से 1.0 सेंटीमीटर मोटी सरिया या बांस की पट्टियो को अर्ध गोलाकार आकार में लंबाई में संरचना को गाड़ देते हैं। इस संरचना के ऊपर 25 से 30 माइक्रोन की पारदर्शी पॉलिथीन सीट से पूरी तरह ढक देते हैं इस प्रकार 2.50 से 3 फीट ऊंची तक बनकर तैयार हो जाती है। प्लास्टिक मैदानी भागों में कद्दू वर्गीय लता और यह सभी सब्जियों को अगेती खेती के रूप में बढ़ावा देने के लिए किया जाता है इस तकनीक से उत्पादन 1 से 1.5 माह पहले किसान बाजार में भेज सकता है जिससे उच्च मूल्य प्राप्त कर सकता है (ङ) वॉक-इन टनल (प्लास्टिक हाई टनल) यह संरचना प्लास्टिक लो टनल का बड़ा रूप होता है इसके अंदर आसानी से जाकर कृषि क्रियाओं को किया जा सकता है इसमें भी संरचना पूरी पॉलिथीन फिल्म से ढकी रहती है यह सभी प्रकार के फसलो, फल, फूल व सब्जियों को के लिए प्रयुक्त है यह सूचना छोटे आकार वाले एवं प्रारंभिक लागत कम होने के कारण किसानों द्वारा अधिक अपनाई जाती है।

अंक-323 कानपुर, सोमवार 25 जनवरी 2021 पृष्ठ-8

र से प्रकाशित

दैनिक

# आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, बहराइच में प्रसारित

के के न्यूज़

का आधार"

पंजीयन संख्या :

ty-323/2018-20

RNI No :

N/2014/55306

'इंसा

और 'जु

ता

तभी म

दुक

य

## एनसीसी कैडेट्स ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

आज का कानपुर /शानू खान

कानपुर।महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के पावन अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के एनसीसी इन्फेंट्री एवं आर्मर्ड के छात्रों द्वारा धूमधाम से कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह द्वारा छात्रों को प्रेरणा के रूप में बताया गया कि किस प्रकार से अदम्य साहस का परिचय देते हुए आजाद हिंद फौज की स्थापना की और सुदूर देशों में जाकर के अपने संगठन को मजबूत कर भारत मां की पराधीनता की बेड़िया काटने के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। सरकार की सर्वोच्च सेवा से देश के खातिर त्यागपत्र दे दिया उन्होंने देश के युवाओं को ऐसी सीख दी कि भारत के हर नागरिक के लिए वह हीरो हैं एनसीसी अधिकारी डॉ सर्वेश कुमार द्वारा बताया गया कि देश की संप्रभुता अखंडता के लिए देश के हर युवा को तैयार रहना चाहिए और जिस प्रकार से नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने हमेशा निडर होकर के देश के युवाओं को प्रेरणा दी इसी प्रकार एनसीसी कैडेट एवं युवाओं को चाहिए कि देश की आन बान मर्यादा के लिए सदैव अपने को तैयार रखें और देश के सम्मान की रक्षा में में अपनी विशेष भूमिका निभाएं साथ ही प्रोफ़ेसर मनीष कुमार एवं डॉ0 राम सिंह द्वारा छात्रों को बताया गया कि हमारे देश के क्रांतिकारियों ने देश की स्वाधीनता आंदोलन में किस प्रकार से अपनी महती भूमिका निभाई जो हमें सदैव प्रेरणा देती है और स्मरण कराती है कि हमारे देश के महान वीर सपूतों ने अपने प्राणों को बाजी लगाकर देश को आजाद कराया ऐसे वीर सपूतों को नमन है इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान द्वारा भी छात्रों को प्रोत्साहित किया गया छात्रों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर अपने ओजस्वी भाषण से एनसीसी केडिट का उत्साहवर्धन करने में विशेष भूमिका निभाई।

हिन्दुस्तान

# सीएसए में मनाई गई सुभाष चन्द्र बोस जयंती

कानपुर। सीएसए में सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर एनसीसी इंफेंट्री एवं आर्मर्ड के छात्रों ने कार्यक्रम का आयोजन किया। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने सुभाष चंद्र बोस व आजाद हिंद फौज के बारे में जानकारी दी। एनसीसी अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार ने युवाओं को नेताजी के जीवन से सीख लेने के प्रति प्रेरित किया।

अमर उजाला

सोमवार • 25.01.2021

06

kanpur.amarujala.com

# नेताजी की जयंती मनाई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनसीसी इन्फेंट्री के कैडेट्स ने रविवार को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। यहां एनसीसी अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार, मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान, डॉ. राम सिंह आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)